KANYASHREE UNIVERSITY

M.A. 3rd Semester Examination-2024

Subject: Sanskrit

Course- CEC-I

Vedic Hymns

Full Marks-40 **Time-2.00 Hours**

GROUP - A

(Answer **any four** of the following) (5×4=20)

(যে কোনো চারটি)

It is mandatory to write **any one** in Devanāgarī script and Sanskrit language.

(যে কোনো একটি প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় দেবনাগরী লিপিতে বাধ্যতা মূলক।)

1. With reference to Ūṣāsukta, precisely consult the features of the God, Ūṣā.
   উষাসূক্ত অনুসারে উষাদেবতার স্বরূপ বিষয়ে সংক্ষেপে আলোচনা কর।
2. Explain -

वि वृक्षान् हन्त्युत हन्ति रक्षसो
विश्वं बिभाय भुवनं महावधात्।
उतानागा ईषते वृष्णावतो
यत्पर्जन्यः स्तनयन् हन्ति दुष्कृतः।।

ব্যাখ্যা করো –

वि वृक्षान् हन्त्युत हन्ति रक्षसो
विश्वं बिभाय भुवनं महावधात्।
उतानागा ईषते वृष्णावतो
यत्पर्जन्यः स्तनयन् हन्ति दुष्कृतः।।

3. Give the identity of Goddess, Sarasvatī as it is in Sarasvatīsūkta.
   সরস্বতীসূক্ত অনুসারে সরস্বতীর সংক্ষিপ্ত পরিচয় দাও।
4. Give पदपाठः

सप्त चक्रान् वहति काल एष सप्तास्य नाभीरमृतं न्वक्षः ।
स इमा विश्वा भुवनान्यञ्जत् कालः स ईयते प्रथमो नु देवः।।

পদপাঠ করো –

सप्त चक्रान् वहति काल एष सप्तास्य नाभीरमृतं न्वक्षः ।
स इमा विश्वा भुवनान्यञ्जत् कालः स ईयते प्रथमो नु देवः।।

5. Explain - “pra ṇo devī sarasvatī vājebhirvājenīvatī/ dhīnāmavitryavatu.”
   ব্যাখ্যা করো -“প্র ণো দেবী সরস্বতী বাজেভির্বাজিনীবতী। ধীনামবিত্র্যবতু।।”
6. Write short note on any two of the following: अराः, धृतिः, शिवसंकल्पम्

টীকা লেখো -(যে কোনো দুটি) : अराः, धृतिः, शिवसंकल्पम्

7. Explain –

'पूर्णः कुम्भोऽधिकालः' ।

ব্যাখ্যা করো -

'पूर्णः कुम्भोऽधिकालः'

GROUP – B

(Answer **any two** of the following) (10× 2=20)

(যেকোনো দুটি)

It is mandatory to write **any one** in Devanāgarī script and Sanskrit language.

(যে কোনো একটি প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় দেবনাগরী লিপিতে বাধ্যতা মূলক।)

1. Prepare and consider a philosophical estimate of Kālasukta (19/58) of Atharvaveda.
   কালসূক্তের দার্শনিক বিবেচনা প্রস্তুত কর।
2. Describe the power of Sūrya true to the context of Sūryasūkta.
   সূর্যসূক্ত অনুসারে সূর্যের শক্তি বিষয়ে সবিশদে আলোচনা কর।
3. Delineate the importance of the God, Parjanya in terms of Parjanyasūkta.
   পর্জন্যসূক্ত অবলম্বনে পর্জন্য দেবতার গুরুত্ব বর্ণনা কর।
4. Describe the Philosophical elements of Śivasaṁkalpasūkta.
   শিবসংকল্প সূক্তে দার্শনিকতার পরিচয় দাও।

****